नईदुनिया

अटल इनक्यूबेशन सेंटर आरएनटीयू में ड्रोन लैब स्थापित

भोपाल (काप्र)।

अटल इनक्यूबेशन सेंटर (एआईसी) - रबीन्द्रनाथ टैगोर विश्वविद्यालय (आरएनटीयू) में ड्रोन लैब स्थापित की गई है। जिसका उद्घाटन विश्वविद्यालय के कुलाधिपति संतोष चौबे ने किया।

इस अवसर पर विश्वविद्यालय की प्रो-चांसलर डॉ. अदिति चतुर्वेदी वत्स, एसजीएसयू के कुलपति डॉ. विजय सिंह, आईक्यूएसी के निदेशक डॉ. नितिन वत्स, विश्वविद्यालय की कुलसचिव डॉ. संगीता जौहरी, एआईसी के सीईओ रोनाल्ड फर्नांडिस विशेष रूप से उपस्थित थे। विश्वविद्यालय का उद्देश्य है कि यह ड्रोन लैब उन छात्रों और उद्यमियों को जरूरी संसाधन, सुविधाएं और मार्गदर्शन प्रदान करेगा, जो ड्रोन तकनीक में नवाचार करना चाहते हैं। इस लैब में ड्रोन टिन्करिंग किट्स, क्वाडकॉप्टर, हेक्साकॉप्टर और एग्री ड्रोन जैसी अत्याधुनिक ड्रोन तकनीक उपलब्ध हैं । इसके साथ ही, ड्रोन बनाने, टेस्टिंग करने और सुधारने के लिए जरूरी उपकरण भी मुहैया कराए जाएंगे। ड्रोन लैब के उद्घाटन उपरांत संतोष चौबे ने कहा कि भारत को ड्रोन प्रौद्योगिकी के लिए एक वैश्विक केंद्र के रूप में स्थापित करने और सुरक्षा, कृषि, स्वास्थ्य सेवा, रसद और बुनियादी ढांचे जैसे क्षेत्रों को सुरक्षित करने के सरकार के उद्देश्य को पूरा करने में यह ड्रोन लैब महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। साथ ही देश के प्रधानमंत्री जी के स्वप्न मेक इन इंडिया और आत्मनिर्भर भारत जैसी अनूठी पहलों को और मजबूत करेगा।

डॉ. अदिति चतुर्वेदी वत्स ने बताया कि नवीनतम तकनीकी विकास और उभरते हुए उद्योगों में ड्रोन सेक्टर ने अत्यधिक लोकप्रियता हासिल की है। ड्रोन का उपयोग कृषि, सुरक्षा, निर्माण, निगरानी, और सप्लाई चेन में बढ़ता जा रहा है। ऐसे में, इस क्षेत्र में काम करने वाले स्टार्टअप्स और इनोवेटर्स के लिए विशेष स्थान और संसाधन की आवश्यकता है। इस आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए एआईसी-आरएनटीयू फाउंडेशन ने ड्रोन लैब की शुरुआत की है, जो इस क्षेत्र में काम कर रहे इनोवेटर्स और स्टार्टअप्स को जरूरी समर्थन, संसाधन और मार्गदर्शन प्रदान करेगा। गौरतलब है की एआईसी-आरएनटीयू फाउंडेशन ने 2018 में स्थापना के बाद से अटल इनोवेशन मिशन - नीति आयोग, डीएसटी, स्टार्टअप इंडिया , मिनिस्ट्री ऑफ़ इलेक्ट्रॉनिक्स एंड इनफार्मेशन टेक्नोलॉजी एवं आइडेक्स - डी.आई.ओ के साथ जुड़कर अब तक 500 से अधिक स्टार्टअप्स की सहायता की है।

डॉ. पवित्र श्रीवास्तव को मीडिया शिक्षा सम्मान

भोपाल (काप्र)।

मीडिया के ज्ञान तीर्थ माधवराव सप्रे स्मृति समाचार पत्र संग्रहालय एवं शोध संस्थान द्वारा प्रतिवर्ष दिये जाने वाले राज्य स्तरीय अलंकरण समारोह में प्रो. पवित्र श्रीवास्तव कोमीडिया शिक्षा सम्मान से सम्मानित किया गया है।

मकर संक्रान्ति के शुभ अवसर पर सप्रे संग्रहालय में संपन्न सम्मान समारोह में मध्यप्रदेश के उच्च शिक्षा मंत्री इंदर सिंह परमार ने माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय के विज्ञापन एवं जनसंपर्क विभाग के विभागाध्यक्ष प्रोफेसर डॉ. पवित्र श्रीवास्तव को मीडिया शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान के लिए मीडिया शिक्षा सम्मान से सम्मानित किया । इस अवसर पर बरकतउल्ला विश्वविद्यालय के कुलगुरु प्रो. एस. के. जैन तथा संग्रहालय के संस्थापक पद्मश्री विजयदत्त श्रीधर उपस्थित थे। गौरतलब है कि सप्रे संग्रहालय प्रतिवर्ष पत्रकारिता की विभिन्न विधाओं में उल्लेखनीय कार्य करने वाली हस्तियों को सम्मानित करता है ।

अटल बिहारी वाजपेयी सुशासन संस्थान में हुआ पीएचडी कॉलोजियम

भोपाल(काप्र)।

अटल बिहारी वाजपेयी सुशासन एवं नीति विश्लेषण संस्थान भोपाल द्वारा पीएचडी स्कॉलर्स के लिये तृतीय पीएचडी कॉलोजियम का आयोजन किया गया।

इसमें आईआईटी, आईआईएम के साथ 20 से अधिक विश्वविद्यालय के 60 से अधिक पीएचडी स्कॉलर्स ने सहभागिता की। इनमें प्रदेश, देश एवं विदेश- नेपाल तथा नाईजीरिया के स्कॉलर्स भी शामिल थे।

संस्थान के संचालक राजेश गुप्ता ने कार्यक्रम की विस्तृत रूपरेखा बताई। बरकतुल्लाह विश्वविद्यालय के कुलगुरु प्रोफेसर सुरेश कुमार जैन ने पीएचडी करने और शोध में अंतर बताने के साथ यह भी कहा कि आपकी पीएचडी की मार्केट वैल्यू होना चाहिए। जब तक आप अपनी रिसर्च में डूब नहीं जाते तब तक कुछ अच्छा नहीं निकलेगा। जागरण लेकसिटी यूनिवर्सिटी के प्रोचांसलर प्रो. पी. के. विश्वास ने बताया कि हमारी रिसर्च समाज के लिए क्या अच्छा करेगी यह महत्वपूर्ण है। हमारे देश में गुणवत्ता पूर्ण शोध की बहुत कमी है। उन्होंने संस्थान द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम को एक अच्छी पहल बताया।

उद्घाटन सत्र के अंत में संस्थान की प्रमुख सलाहकार डॉ. इंद्राणी बरपुजारी ने नीति विश्लेषण के विभिन्न पहलुओं के बारे में स्कॉलर्स को प्रस्तुतिकरण के माध्यम से समझाया। द्वितीय सत्र में कैंब्रिज यूनिवर्सिटी के फेलो डॉ. शशि रत्नाकर सिंह ऑनलाइन जुड़कर स्कॉलर्स से चर्चा की। इसके पश्चात 7 अलग-अलग थीम जैसे ट्राइब्स, नेचुरल रिसोर्स मैनेजमेंट, अर्बन, कृषि, ग्रामीण विकास, स्वास्थ्य (आयुष), बायोडायवर्सिटी एवं ट्रेड पर पीएचडी स्कॉलर्स द्वारा अलग-अलग विषय विशेषज्ञों से मार्गदर्शन प्राप्त किया। संस्थान की सलाहकार डॉ. स्वाति चौहान ने समेकित प्रस्तुतिकरण दिया। कार्यक्रम के अंत में प्रो. प्रमोद वर्मा, कुलगुरु महर्षि महेश योगी वैदिक विश्वविद्यालय द्वारा स्कॉलर्स को प्रमाण-पत्र वितरित किये गए।

सरोजिनी नायडू में राज्यस्तरीय लोकनृत्य प्रतियोगिता आज

भोपाल (काप्र)।

मध्य प्रदेश शासनउच्चशिक्षा विभाग के पत्र के परिपालन में नूतन कालेज भोपाल में राज्य स्तरीय लोकनृत्य (एकल एवं संमूह) प्रतियोगिताओं का आयोजनदिनांक 16 जनवरी 2025 दिनगुरुवार प्रात 10.30 बजे से सायं 5.30 बजे तक किया जायेगा। उक्त कार्यक्रम के उद्घाटन समारोह मुख्य अतिथि श्रीमती मालती राय महापौर भोपाल तथा अध्यक्षता डॉ. रविन्द्र कान्हेरे अध्यक्ष मध्यप्रदेश शुल्क विनिनयामक आयोग, भोपाल मध्यप्रदेश के द्वारा की जायेगी। विषिष्ट अतिथि के रूप में डॉ मथुराप्रसाद अतिरिक्त संचालयक उच्च शिक्षा विभाग भोपाल नर्मदापुरम संभाग एवं कार्यक्रम में डॉ भारती कुंभारे सातनकर अध्यक्ष जनभागीदारी समिति की गरिमामय उपस्थिति भी रहेगी।

उक्त कार्यक्रम में भारतीय संस्कृति के लोकनृत्य (एकल एवं समूह नृत्य हेतु) कुलदस संभागों से 200 से अधिक प्रतिभागी छात्र-छात्राऐं सम्मिलित होंगे। इनके आवास, भोजन, प्राथमिक उपचार इत्यादि की व्यवस्था सरोजिनीनायडू शासकीय कन्या महाविद्यालय भोपाल द्वारा की जाएगी। कार्यक्रम में महाविद्यालय की प्राचार्य एवं प्राध्यापकों के साथ जनप्रतिनिधि, गणमान्य नागरिक और भारतीय ज्ञान-परम्परा की राज्य स्तरीय शीर्ष समिति के सदस्यों की गरिममय उपस्थिति भी रहेगी।

नागरिक सहकारी बैंक व्यवसाय संवर्धन हेतु कार्य योजना बनायें: पुष्प

भोपाल (काप्र)।

अपेक्स बैंक के समन्वय भवन में आज मध्यप्रदेश के समस्त 47 नागरिक सहकारी बैंकों एवं 17 परिसमापनासीन नागरिक सहकारी बैंक की समीक्षा बैठक में आयुक्त सहकारिता एवं पंजीयक, सहकारी संस्थायें, मध्यप्रदेश श्री मनोज पुष्प ने सभी मुख्य कार्यपालन अधिकारियों से उनकी कार्यप्रणाली एवं उन्हें आ रही व्यवहारिक कठिनाईयों के बारे में विस्तार से चर्चा की एवं निर्देश दिये कि भारत सरकार के सहकार से समृद्धि मंत्र को साकार करने की दिशा में समयबद्ध कार्ययोजना बनाकर व्यवसाय संवर्धन की दिशा में कार्य कीजिए। उन्होंने कहा कि आप सभी लोग विभाग के तकनीकी संसूचना माध्यम से जुड़िये, ताकि शासन एवं भारतीय रिजर्व बैंक के नीति-निर्देशों की जानकारी से तुरंत आप अवगत हो सकें।

भारतीय रिजर्व बैंक के महाप्रबंधक राजदीप चक्रवर्ती तथा श्री पराग ने अन्तर्संम्प्रेशन के माध्यम से सभी को नीति-निर्देशों की जानकारी प्रदान की। मनोज सिन्हा, उप सचिव, सहकारिता, मप्र शासन ने बताया कि भारत सरकार ने वर्ष 2025 को अन्तर्राष्ट्रीय सहकारी वर्ष के रूप में मनाने का आदेश जारी किया है। अत: शासन की मंशानुरूप इस दिशा में कार्य कीजिए। अपेक्स बैंक के प्रबंध संचालक मनोज गुप्ता ने बैठक के आरंभ में आयुक्त महोदय का स्वागत किया। उन्होंने कहा कि साल में तीन दिन 05 जुलाई को अन्तर्राष्ट्रीय सहकारिता दिवस, 06 जुलाई केन्द्र में सहकारिता मंत्रालय की स्थापना का दिवस एवं 14 नवंबर से 20 नवंबर तक सहकारी सप्ताह के दौरान हमें साहित्यिक व सांस्कृतिक आयोजन करने चाहिए, बाकी कार्य-दिवसों में नवाचार के माध्यम से निरन्तर कार्य की उत्कृष्ट गुणवत्ता के माध्यम से बैंक की प्रगति के लिए समर्पित होकर काम करना चाहिए। उन्होंने बैंकिंग के सभी पहलुओं पर ध्यान देने के लिए प्रेरित किया ।

बृजेश शुक्ला, अपर आयुक्त एवं अरूण मिश्र, संयुक्त आयुक्त ने नागरिक बैंकों को बेहतर ढंग से काम करने हेतु मोटिवेशनल मार्गदर्शन प्रदान किया। अपेक्स बैंक ट्रेनिंग कालेज के प्राचार्य (सेवानिवृत्त अपर आयुक्त) ने कहा कि अपने को प्रतिस्पर्धात्मक दौर में डिजिटलाईजेशन के माध्यम से बेहतर काम करने के प्रयास कीजिए। अगर यदि आवश्यकता हो तो हम सहयोग को तैयार हैं। बैठक का संचालन उपायुक्त अरूण मिश्रा ने किया ।

पेज एक से जारी खबरों के शेष...

मप्र में हर गरीब ....

विकास होगा। हर गरीब को पक्का मकान सहित सारी मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध होंगी। प्रदेश में गरीब, महिला, युवा और किसानों के लिए विशेष मिशन चलाए जा रहे हैं। सभी का कल्याण हमारा लक्ष्य है। डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश में दो बड़ी नदी जोड़ो परियोजनाओं केन-बेतवा और पार्वती-कालीसिंध-चंबल (पीकेसी) तथा अन्य सिंचाई परियोजनाओं से सिंचाई के रकबे में अभूतपूर्व वृद्धि हुई है। वर्ष-2003 में जो 7 लाख हेक्टेयर ही था, अब बढ़कर 48 लाख हेक्टेयर से अधिक हो गया है। हर एक खेत को सिंचाई के लिए पानी मिलेगा। उन्होंने किसानों से कहा कि कुछ समय बाद हम कृषि उत्पादन में पंजाब और हरियाणा को भी पीछे छोड़ेंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि आगामी समय में विदिशा क्षेत्र का तेजी से विकास होगा। भोपाल, विदिशा, रायसेन और सीहोर को मिलाकर वृहद राजधानी परियोजना बनाई जा रही है। इसके लिए मास्टर प्लान शीघ्र ही तैयार किया जाएगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने क्षेत्र के विकास के लिए विभिन्न घोषणाएं की। उन्होंने घोषणा की कि विदिशा नगर पालिका को नगर निगम बनाया जाएगा तथा विदिशा मेडिकल कॉलेज और जिला अस्पताल को एकीकृत कर सुविधाओं का विस्तार किया जाएगा। केंद्रीय ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने मुख्यमंत्री डॉ. यादव को बधाई देते हुए कहा कि प्रदेश में प्रधानमंत्री ग्रामीण आवास और प्रधानमंत्री जनमन आवास रिकॉर्ड समय में बनाए गए। प्रधानमंत्री जनमन योजना में पहली सड़क भी मध्यप्रदेश में बनाई गई। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) में आज मध्य प्रदेश को 8 लाख 21 हजार 190 आवास दिए जा रहे हैं, आगामी अप्रैल मई में इतने ही आवास प्रदेश को और दिए जाएंगे। उन्होंने आवासों की स्वीकृति से संबंधित पत्र मुख्यमंत्री डॉ. यादव को सौंपा। श्री चौहान ने कहा कि जो गरीब आवास लेने से छूट गए हैं उनके लिए पुन: सर्वे कराया जा रहा है। अब सेल्फ-सर्वे की सुविधा भी सरकार दे रही है। उन्होंने बताया कि अब पात्रता की शर्तों में छूट दी गई है, जिसके अनुसार दो पहिया वाहन वाले, 15 हजार रूपये तक वार्षिक आय वाले और ढाई एकड़ तक सिंचित तथा 5 एकड़ तक असिंचित भूमि वाले हितग्राही भी प्रधानमंत्री आवास योजना के लिए पात्र होंगे। प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के चौथे चरण में 2011 की जनसंख्या के अनुसार 500 की आबादी वाले तथा 250 की जनजातीय आबादी वाले गांव भी पात्र होंगे। उन्होंने बताया कि किसानों को ग्रीन हाउस, पॉली हाउस, कृषि यंत्र, ड्रिप इत्यादि योजनाओं के अंतर्गत 384 करोड़ रुपए पूर्व में प्रदेश को दिए गए थे अब 435 करोड रुपए और दिए जाएंगे। लखपति दीदी बनाने के लिए एनआरएलएम योजना के अंतर्गत प्रदेश को 312 करोड़ 74 लाख रुपए की राशि दी गई है।

दुनिया की बड़ी .....

को बढ़ाएंगे। वैश्विक सुरक्षा, अर्थशास्त्र और भू-राजनीतिक गतिशीलता को आकार देने में भारत जैसे समुद्री राष्ट्रों की महत्वपूर्ण भूमिका पर जोर देते हुए, प्रधान मंत्री ने आर्थिक प्रगति और ऊर्जा सुरक्षा के लिए क्षेत्रीय समुद्री सीमा की रक्षा, नेविगेशन की स्वतंत्रता सुनिश्चित करने और व्यापार आपूर्ति लाइनों और समुद्री मार्गों को सुरक्षित करने के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने क्षेत्र को आतंकवाद, हथियारों और मादक पदार्थों की तस्करी से बचाने की आवश्यकता पर जोर दिया। श्री मोदी ने समुद्र को सुरक्षित, समृद्ध बनाने, रसद दक्षता बढ़ाने और शिपिंग उद्योग का समर्थन करने में वैश्विक भागीदार बनने के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने दुर्लभ खनिजों और मछली स्टॉक जैसे समुद्री संसाधनों के दुरुपयोग को रोकने और उन्हें प्रबंधित करने की क्षमता विकसित करने की आवश्यकता पर भी प्रकाश डाला। नए शिपिंग मार्गों और संचार के समुद्री मार्गों में निवेश के महत्व को ध्यान में रखते हुए और इस बात पर संतोष व्यक्त किया कि भारत इस दिशा में लगातार कदम उठा रहा है।

कांग्रेस का घिनौना .....

हैं। उन्होंने आगे कहा कि उनकी बार-बार की हरकतों ने भी इस विश्वास को मजबूत किया है। उन्होंने जो कुछ भी किया या कहा है, वह भारत को तोड़ने और हमारे समाज को विभाजित करने की दिशा में है। सत्ता के लिए उनकी लालच का मतलब देश की अखंडता से समझौता करना और लोगों के विश्वास को धोखा देना था। लेकिन, भारत की जनता समझदार है। उन्होंने तय कर लिया है कि वो राहुल गांधी और उनकी सड़ी-गली विचारधारा को हमेशा खारिज करेंगे। कांग्रेस के नए मुख्यालय इंदिरा भवन में पार्टी नेताओं को संबोधित करते हुए राहुल गांधी ने बुधवार को कहा कि हमारी लड़ाई भाजपा और आरएसएस से ही नहीं इंडियन स्टेट से भी है। राष्ट्रीय राजधानी में नए कांग्रेस मुख्यालय के उद्घाटन के बाद लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने कहा कि ऐसा मत सोचिए कि हम निष्पक्ष लड़ाई लड़ रहे हैं। अगर आप मानते हैं कि यह सिर्फ भाजपा या आरएसएस जैसे राजनीतिक संगठन के खिलाफ है, तो समझ लीजिए कि उन्होंने हमारे देश की लगभग हर संस्था पर कब्जा कर लिया है। अब हमारी लड़ाई भारतीय राज्यों से भी है। वैचारिक लड़ाई का जिक्र करते हुए राहुल गांधी ने भारत के दो परस्पर विरोधी विचारधाराओं पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि यह भारत में होने वाली मुख्य लड़ाई है। दो विचारधाराओं में टकराव है। एक हमारा विचार है संविधान का विचार और दूसरा आरएसएस का विचार है।

साहित्यकार पत्र लेखन विधा को पुर्नजीवित करें: तिवारी

भोपाल (काप्र)।

साहित्यकारों के मध्य पत्र लेखन की हमारे यहां समृद्ध परम्परा रही है, साहित्यकारों के पत्र समकालीन समय का जीवंत दस्तावेज होते हैं, साहित्यकारों को विलुप्त होती इस परम्परा को पुर्नजीवित करना चाहिए।

यह उदगार हैं वरिष्ठ साहित्यकार विजय कुमार तिवारी,भुवनेश्वर (उड़ीसा) के जो लघुकथा शोध केंद्र समिति भोपाल द्वारा आयोजित पुस्तक पखावडे के चौदहवें सत्र की अध्यक्षता करते हुए बोल रहे थे । पुस्तक विमर्श के इस आयोजन में साहित्यकार अरुण अर्णव खरे के उपन्यास पानी का पंचनामा में विमर्शकार वरिष्ठ साहित्यकार अश्विनी कुमार दुबे ने इस उपन्यास को अपने समय का ऐसा दस्तावेज बताया जो भ्रष्टाचार पर कड़ा प्रहार करता है, सरकारी महकमे में जिम्मेदार पदों पर बैठे अयोग्य अधिकारी किस तरह से आम आदमी के अधिकारों और शासन के धन और पद का दुरूपयोग करते हैं इसका रोचक चित्रण किया है। अरुण ज़ी की दूसरी कृति चयनित कहानियां पर चर्चा में भाग लेते हुए वरिष्ठ साहित्यकार और समीक्षक गोकुल सोनी ने संग्रह की कहानियों में देशज माटी की गंध का अहसास किया, उन्होंने कहा की लेखक ने अपने पात्रों का चयन बड़ी सावधानी से किया है यह कहानियां आत्मविश्वास और संघर्ष का प्रतीक हैं जो अपने कालखंड का जीवंत दस्तावेज हैं । कहानी पीले हाफ पेंट वाली लड़की उनकी सर्वोत्कृष्ट एवं मार्मिक कहानी है। पुस्तक चर्चा के इस आयोजन में तीसरी कृति थी मतलब अपना साध रे वन्दे (व्यंग्य संग्रह) लेखक सतीशचंद्र श्रीवास्तव की इस कृति पर वरिष्ठ साहित्यकार और समीक्षक मधुलिका सक्सेना ने अपने विचार रखते हुये कहा कि संग्रह के व्यंग्य समाज में व्याप्त विसंगतियों पर कड़ा प्रहार करते हैं, उनकी भाषा नुकली व धारदार है, यह समकालीन व्यंग्य की प्रतिनिधि व्यंग्य रचनाएँ हैं। अतिथियों और साहित्यकारों का स्वागत केंद्र के सचिव घनश्याम मैथिल अमृत ने किया। कार्यक्रम का सफल और प्रभावी संचालन मुजफ्फर इक़बाल सिद्दीकी ने किया, कार्यक्रम में लेखकद्वय ने अपनी सृजन यात्रा पर चर्चा करते हुए,समीक्षित कृतियों पर चर्चा करने वाले समीक्षकों व लघुकथा शोध केंद्र का आभार प्रकट किया।

साधु वासवानी स्कूल में मना संक्रांति का पर्व

भोपाल (हिनप्र)। साधु वासवानी स्कूल में मकर संक्रांति का पर्व मनाया गया। शिक्षिकाओं एवं विद्यार्थियों ने पर्व के महत्व और विधान को रखा। पर्व की मिठाई रेवड़ी प्रसाद में दी गई।

शिक्षाविद् विष्णु गेहानी ने कहा कि यह संक्रांति का पर्व हमें तिल व गुड़ जिस तरह संगठित होकर लड्डू बनते हैं, उसी तरह राष्ट्र को भी संगठित करने का संदेश देता है। पर्व पर उड़ने वाली पतंगें हम से कहती हैं, जीवन में लक्ष्य इतना बड़ा रखें की आसमान में उड़ सकें जिस तरह एक पतंग आसमान में उड़कर ऊंचाइयों को छूती हैं, उसी तरह विद्यार्थी को पढ़ाई में ऊंचाइयां हासिल करने करें। प्राचार्या सुतापा जॉयसवाल व उप प्राचार्या स्वाति कलवानी ने कहा कि मकर सकांति के दिन दान करने से सुख समृद्धि आती है इस दिन सूर्य की पूजा और तिल दान करना कल्याणकारी और मोक्षदायी माना गया है। आज के दिन हमें यह संकल्प लेना है कि जिस प्रकार तिल व गुड़ संगठित होते हैं उसी प्रकार हम भी मिल-जुलकर रहेंगे ताकि हमें बाहरी लोग तोड़ न सकें साथ ही भाउ जी का आर्शीवाद हम पर व हमारे बच्चों पर बना रहें। विद्यालय की छात्रा कंचन और प्रियंका थदानी ने कहा कि मकर सक्रांति के अवसर पर लाखों श्रद्धालु गंगा स्नान से निवृत्त होकर सूर्य को अर्घ्य प्रदान कर तिल दान करते हैं।

पोंगल दक्षिण भारत का विशेष त्योहार

भोपाल (काप्र)।

पोंगल त्योहार दक्षिण भारत में मनाए जाने वाले प्रमुख त्योहारों में से एक है पोंगल त्योहार विशेष रूप से किसानों का पर्व है नई फसल काटने की खुशी में यह त्यौहार मनाया जाता है यह तमिल महीना तई मासम के पहली तारीख से 4 दिन लगातार पोंगल का पर्व मनाया जाता है पहले दिन भोगी पोंगल इंद्रदेव की पूजा दूसरे दिन सूर्य देव की पूजा तीसरे दिन माट्टू पोंगल बैल/नंदी की पूजा चौथे दिन कानूम पोंगल चारों दिन बड़े हर्षोल्लाह उत्साह के साथ यह त्यौहार मनाया जाता है इसमें महिलाएं पुरुष बच्चे सभी लोग पारंपरिक वेशभूषा में सांस्कृतिक नृत्य/कोलम आइटम/करगा आटम/खेलकूद का आयोजन करते हैं गन्ना खड़ा करके रंगोली बनाकर मिट्टी के चूल्हे में नए मिट्टी के बर्तन में गुड दूध चावल की खिचड़ी उबालते हैं जो उबलते हुए बर्तन से नीचे बहता है तमिल संगम भोपाल द्वारा पोंगल त्यौहार नागेश्वरी अम्मन मंदिर गोविंदपुर में मनाया गया। मंदिर समिति अध्यक्ष पी राजू, तमिल संगम अध्यक्ष चंद्रशेखर, सचिव सुब्रमण्यम, संरक्षक एम रवि एम संतोष कुमार, पी देवराज, के रामदास, कार्तिक स्वामी, एम मणि उपस्थित थे।

नाम परिवर्तन सूचना

मेरे पूर्व में बने पासपोर्ट में मेरा नाम नितेश (Nitesh) दर्ज है अब मेरे नाम में उपनाम सरनेम (Tarani) जोड़कर मेरा पूरा एवं सही नाम नितेश तरानी (Nitesh Tarani) पुत्र श्री ताराचंद तरानी निवासी- म.नं. 31 नारायण धाम कॉलोनी वार्ड नंबर 03 बैरागढ़ भोपाल (मध्य प्रदेश) हो गया है अब मुझे इसी नाम से जाना व पहचाना जाए।

3234

नाम परिवर्तन सूचना

मेरा पूर्व नाम अनस (Anas) पुत्र सिराजुल हक अंसारी (Sirajul Haque Ansari) था जो कि मेरे पासपोर्ट पर दर्ज है अब मेरे नाम में उपनाम (Surname) जोड़कर एवं मेरे पिता के नाम में मो. जोड़कर मेरा सही एवं पूरा नाम अनस सिराज (Anas Seraj) पुत्र मो.सिराजुल हक अंसारी (Md. Sirajul Haque Ansari) हो गया है अब मुझे इसी नाम से जाना व पहचाना जाए। पता- म.नं.425, फ्लैट नं.1 बी, नफीस अपार्टमेंट, टोलवाली मस्जिद रोड, बुधवारा भोपाल (मध्य प्रदेश)

3235

पश्चिम मध्य रेल

विज्ञापित ई-टेंडरिंग निविदा सूचना

संख्या PMC-KAVACH-WCR-BINA-ET-3 **दिनांक: 10.01.2025**

उप मुख्य संकेत एवं दूरसंचार इंजी(प्रोजेक्ट) पश्चिम मध्य रेल्वे, भोपाल भारत संघ के राष्ट्रपति के लिए एवं उनकी ओर से निम्नलिखित कार्य के लिये खुली ई-निविदा आमंत्रित करते है। **निविदा संख्या:** PMC-KAVACH-WCR-BINA-ET-3 Date: 10.01.2025, **कार्य का नाम:** पश्चिम मध्य रेलवे के भोपाल मंडल के बीना-इटारसी -जुझारपुर खंड, बीपीएल-एसएचआरएन खंड और जुझारपुर से पोवारखेड़ा तक अप और डाउन फ्लाईओवर ट्रैक में कवच (ट्रेन टक्कर परिहार प्रणाली) के प्रावधान के लिए परियोजना प्रबंधन सेवाएं प्रदान करना।, **कार्य की अनुमानित लागत रू.:** 67281051.10, **बयाना राशि रू.:** 486400.00, **टेण्डर फॉर्म की कीमत रू.:** 0.00, **कार्य समाप्ति अवधि:** 30 (माह) हारवेस्ट एवं मानसून सहित, **टेण्डर जमा करने की तारीख:** 10/02/2025 15:00 बजे तक। पूर्ण टेण्डर शिडयूल से सम्बधित सम्पूर्ण जानकारी रेल्वे वेबसाइट http://www.ireps.gov.in पर देखी जा सकती है। निविदा/बोलीदाताओं के पास क्लास III डिजीटल हस्ताक्षर प्रमाणपत्र होना आवश्यक हैं और आई.आर.ई.पी.एस. पोर्टल पर रजिस्टर होना चाहिये। केवल पंजीकृत निविदा/बोलीदाताओं ई-टेण्डरिंग पर भाग ले सकते है। सभी आवश्यक दस्तावेज ई-निविदा में भाग लेने के समय में अपलोड किया जाना चाहिये। मिनिमम एलिजिबिलिटी क्राईटेरिया एम.ई.सी (ए) एवं (बी) और बिड कैपेसिटी से सम्बंधित सम्पूर्ण जानकारी वेबसाइट http://www.ireps.gov.in पर उपलब्ध है।

मण्डल संकेत एवं दूर सं. अभियंता (परियोजना), पमरे, भोपाल

स्वच्छ भारत अभियान एक कदम स्वच्छता की ओर